स्टार पेसर ने कहा, यह तो हमारा फर्ज था

बीसीसीआई के ट्वीट पर शमी ने शुक्रिया अदा किया। इस स्टार पेसर ने रिप्लाई किया– शुक्रिया बीसीसीआई, यह तो मेरा फर्ज था।

बीसीसीआई ने की मोहम्मद शमी की तारीफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी की तारीफ की है। कोरोना वायरस के चलते आम लोगों को खाने–पीने को लेकर काफी परेशानी हो रही है। ऐसे में कई लोगों की तरह शमी ने भी जरूरतमंदो तक भोजन, मास्क पहुंचाने का काम किया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को एक वीडियो ट्वीट किया जिसमें शमी अपने घर के पास लोगों को जरूरत का सामान मुहैया करवा रहे हैं। शमी ने टैंट लगा रखा है जहां वह लोगों को भोजन और मास्क दे रहे हैं। वह बसों के यात्रियों को भी ये सामान दे रहे हैं। बोर्ड ने इसके साथ कैप्शन लिखा, जब भारत कोरोना से लड़ रहा है मोहम्मद शमी आगे आकर लोगों की मदद कर रहे हैं। वह उत्तर प्रदेश में अपने घर सहसपुर के पास नैशनल हाईवे 24 पर लोगों को खाने के पैकेट और मास्क बांट रहे हैं। इस जंग में हम सब साथ हैं। गौरतलब है कि रणजी ट्रोफी में बंगाल की ओर से खेलने वाले शमी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के अमरोहा के रहने वाले हैं। शमी लॉकडाउन के दौरान अपने घर पर ही हैं। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो चौट के दौरान उन्होंने बताया था कि वह अपने गांव में आ चुके हैं।

खेल रत्न के लिए महिला हॉकी कप्तान रानी का नाम

खेल रत्न

अर्जुन अवॉर्ड की रेस में वंदना, मोनिका और हरमनप्रीत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार के लिए भारतीय महिला टीम की कप्तान रानी रामपाल को नॉमिनेट किया है। वहीं, वंदना कटारिया, मोनिका और हरमनप्रीत सिंह के नाम अर्जुन अवॉर्ड के लिए भेजे गए हैं। मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड के लिए भारत के पूर्व खिलाड़ी आरपी सिंह और तुषार खांडकर के नाम भेजे गए हैं।

2016-19 तक का प्रदर्शन होगा आधार: कोच बीजे करियप्पा और रमेश पठानिया के नाम द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए हॉकी इंडिया ने भेजे हैं। देश के सर्वोच्च खेल सम्मान राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार के लिए 1 जनवरी 2016 से 31 दिसंबर 2019 के बीच का प्रदर्शन आधार रहेगा। खेल मंत्रालय की एक समिति विजेताओं का चयन करेगी। पुरस्कार 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस पर दिए जाएंगे।

रानी की कप्तानी रही दमदार: इस दौरान रानी की कप्तानी में भारत ने 2017 में महिला एशिया कप जीता और 2018 में एशियाई खेलों में सिल्वर मेडल हासिल किया। उन्होंने एफआईएच ओलिंपिक क्वॉलिफायर 2019 में भारत के लिए विजयी गोल कर तोक्यो ओलिंपिक क्वॉलिफिकेशन दिलाया था।

अर्जुन और पद्मश्री मिल चुका है रानी की कप्तानी में भारत एफआईएच रैंकिंग में नौवें स्थान पर पहुंचा। विश्व खेल ऐथलीट का पुरस्कार पाने वालीं पहली भारतीय महिला खिलाड़ी रानी को 2016 में अर्जुन और 2020 में पद्मश्री मिल चुका है।

वंदना और मोनिका को अर्जुन अवॉर्ड? भारत के लिए 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकीं वंदना और 150 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा ले चुकीं मोनिका के नाम अर्जुन अवॉर्ड के लिए भेजे गए हैं। दोनों हिरोशिमा में एफआईएच सीरीज फाइनल्स, तोक्यो–2020 ओलिंपिक टेस्ट टूर्नमेंट और भुवनेश्वर में ओलिंपिक क्वॉलिफायर में भारत की जीत की सूत्रधार थीं।

अर्जुन अवॉर्ड के लिए हरमनप्रीत का नाम: भारतीय पुरूष टीम के ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह का नाम भी अर्जुन पुरस्कार के लिए भेजा गया है। उन्होंने भुवनेश्वर में एफआईएच सीरीज फाइनल्स में शानदार प्रदर्शन किया था। ओलिंपिक टेस्ट टूर्नमेंट 2020 में उन्होंने मनप्रीत सिंह की जगह कप्तानी की थी। पिछले साल रूस में ओलिंपिक क्वॉलिफायर जीतने वाली भारतीय टीम का भी वह हिस्सा थे।

आरपी और खांडकर के नाम भी भेजे गए: पूर्व खिलाड़ी आर पी सिंह और खांडकर के हॉकी को योगदान के लिए उनका नाम मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिए भेजा गए हैं। वहीं करियप्पा का नाम द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए भेजा गया जो 2019 में जोहोर कप में रजत पदक जीतने वाली भारत की जूनियर पुरूष टीम के कोच थे।

सचिन तेंडुलकर ने शेयर की मम्मी–पापा के साथ पुरानी तस्वीर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। दुनिया के महान क्रिकेटरों में शुमार सचिन तेंडुलकर ने घातक कोविड–19 महामारी के इस मुश्किल समय में अपने माता–पिता का ख्याल रखने की अपील की है। गॉड ऑफ क्रिकेट से मशहूर सचिन ने सोशल मीडिया पर अपनी एक पुरानी तस्वीर शेयर की जिसमें वह अपने मम्मी–पापा की गोद में लेटे हुए नजर आ रहे हैं।

सचिन ने इंस्टाग्राम पर सोमवार को एक पोस्ट शेयर की। इसमें उन्होंने अपनी एक पुरानी तस्वीर शेयर की। ब्लैक ऐंड वाइट इस फोटो में वह अपने माता–पिता की गोद में लेटे हुए हैं। उन्होंने साथ ही लिखा कि इस समय माता–पिता को हमारी सबसे ज्यादा जरूरत है।

लिखा इमोशनल मेसेज, मुश्किल समय माता–पिता को हमारी सबसे ज्यादा जरूरत है

इंटरनैशनल क्रिकेट में रेकॉर्ड के बादशाह कहे जाने वाले सचिन ने लिखा, 'निस्वार्थ प्यार, हमारे माता–पिता ने हमारा समर्थन तब किया, जब हम बड़े रहे थे और एक सफल इंसान के तौर पर अपने पैरों पर खड़ा होना सीख रहे थे। उन्होंने हमारी देखभाल की।' उन्होंने आगे लिखा, मेरी जिंदगी में भी मेरे माता–पिता ने मेरा सपॉर्ट किया, मुझे रास्ता दिखाया। उसी वजह से आज मैं जिंदगी में बड़ा मुकाम हासिल कर पाया। इस मुश्किल समय में हमारे माता–पिता को सबसे ज्यादा हमारी जरूरत है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनका अच्छी तरह ध्यान रखें और उनकी देखभाल करें। वह सब कुछ करें, जिनकी हमारे माता–पिता को जरूरत है।'

कोरोना वायरस का असर क्रिकेट जगत पर भी पड़ा और तमाम इंटरनैशनल टूर्नमेंट, सीरीज तक को स्थगित करना पड़ा। ऐसे में क्रिकेट जगत की दिग्गज हस्तियों ने लॉकडाउन के दौरान अपने–अपने घर पर फैमिली संग समय बिताया। सचिन ने तो कोरोना वायरस और लॉकडाउन के कारण इस बार अपना जन्मदिन तक नहीं मनाया।

हैपी बर्थडे स्टीव स्मिथः बने दुनिया के बेस्ट बल्लेबाज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। स्टीव स्मिथ ने अपना करियर बतौर लेग स्पिनर शुरू किया। लेकिन वक्त के साथ–साथ वह बल्लेबाजी की ओर मुड़ गए। और ऐसे मुड़े कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल हो गए। आज स्मिथ का 31वां जन्मदिन है। स्मिथ की बल्लेबाजी का स्टाइल अलग है। वह क्रॉस जाते हैं। परंपरागत बल्लेबाजी से अलग। दुनियाभर के कोच इसे गलत ठहराएंगे पर स्मिथ के लिए यह कारगर साबित हुआ। इतना कि वह इस समय 60 से ऊपर के औसत से रन बना रहे हैं।

साल 2018 के सैंडपेपर कांड के बाद ऑस्ट्रेलिया के तब के कप्तान स्टीव स्मिथ की रोती हुईं तस्वीरें सबने देखीं। लगा क्रिकेट को शर्मसार किया गया है। स्मिथ और डेविड वॉर्नर पर एक साल का बैन लगा। ऐसे सवाल उठे कि स्मिथ की वापसी कैसी होगी। दुनिया के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज थे स्टीव स्मिथ उस समय। स्मिथ आए वर्ल्ड कप में ठीक–ठाक प्रदर्शन रहा। पर दुनिया ने स्मिथ का रंग देखा एशेज में। धमाकेदार सीरीज रहे स्मिथ के लिए। स्मिथ ने पांच मैचों की सीरीज में चार खेले और 774 रन बनाए। अगर वह चोटिल न होते तो शायद पांच मैचों में 1000 रन का आंकड़ा भी छू लेते।

न्यूज डायरी

जॉर्ज फ्लॉयड की मौत पर पहली बार बोले टाइगर वुड्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स ने पहली बार जॉर्ज फ्लॉयड की मौत पर पहली बार प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि फ्लॉयड, उनके परिवार और इससे परेशानी का सामना कर रहे हर किसी के साथ उनकी हमदर्दी है। अमेरिका के इस गोल्फर ने मंगलवार को ट्विटर पर लिखा, 'मेरे मन में हमारे कानून लागू कराने वालों के लिए हमेशा सम्मान रहा है।' उन्होंने आगे लिखा, 'उन्हें इस तरह प्रशिक्षित किया जाता है कि उन्हें यह पता रहे कि कैसे, कब और कहां बल प्रयोग करना है। यह चौंकाने वाली त्रासदी स्पष्ट रूप से उस रेखा को पार कर गई है।' अमेरिका में पुलिस बर्बरता के चलते अश्वेत शख्स जॉर्ज फ्लॉयड की 25 मई को मौत हो गई थी। इसके बाद से पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हो रहा है। 44 वर्षीय वुड्स ने लोगों से शांति की अपील करते हुए कहा, 'हम हिंसक प्रदर्शन किए बिना भी अपनी बातों को मजबूती से उठा सकते हैं।

भरा बाजार देखो तो लगता ही नहीं कभी दुनिया में कोरोना आयाः इरफान पठान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। घातक कोरोना वायरस से संक्रमित मामले भारत में लगातार बढ़ रहे हैं। इस वायरस से संक्रमित मामलों की संख्या 2 लाख के करीब पहुंच चुकी है लेकिन अब लॉकडाउन खोलने के लिए भी सरकार राजी है। हालांकि कुछ राज्यों ने लॉकडाउन को बढ़ा दिया है जिसमें महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश शामिल है। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि जब वह भरा बाजार देखते हैं तो लगता ही नहीं कि कोरोना कभी दुनिया में आया था। इरफान पठान सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव हैं और वह लगातार फैंस के साथ तस्वीरें और फोटो शेयर करते रहते हैं। उन्होंने रविवार को ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर किया। करियर में 29 टेस्ट, 120 वनडे और 24 टी20 इंटरनैशनल मैच खेलने वाले इरफान ने लिखा, भरा बाजार देखता हूं तो लगता है कि कोरोना कभी दुनिया में आया ही नहीं, जब न्यूज चौनल देखता हूं तो लगता है दुनिया में कोई बचेगा ही नहीं। कोविड–19 का प्रसार रोकने के लिए पहले सरकार ने पूरे देश में लॉकडाउन लगाया।

रिचर्डर्स को खरीदने के लिए खूब पैसे देतीं टीमें: स्मिथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर इयान स्मिथ ने कहा है कि टी20 क्रिकेट में विवियन रिचर्डर्स दर्शकों के पसंदीदा बल्लेबाज होते और फ्रेंचाइजी उन पर बेन स्टोक्स और पैट कमिंस जैसे मौजूदा सितारों पर खर्च की गई कुल रकम से भी ज्यादा दाम लगाने को तत्पर रहतीं। विश्व कप 1975 और 1979 के विजेता वेस्टइंडीज के रिचर्डर्स अपने दौर के सबसे आक्रामक बल्लेबाज रहे। उन्होंने 121 टेस्ट में 8540 और 187 वनडे में 6721 रन बनाए। स्मिथ ने आईसीसी की वीडियो सीरिज 'इनसाइड आउट' में कहा, 'मेरा मानना है कि विव रिचर्डर्स किसी भी दशक में किसी भी प्रारूप में बेहतरीन खिलाड़ी होते। उनका स्ट्राइक रेट देखो जो उस समय सबसे ज्यादा था। यह टी20 का स्ट्राइक रेट था जबकि यह प्रारूप उस समय था भी नहीं।' न्यूजीलैंड के पूर्व विकेटकीपर का मानना है कि रिचर्डर्स अगर टी20 खेल रहे होते तो फ्रेंचाइजी में उन्हें लेने के लिए होड़ मची होती।

किरण रिजिजू, अर्जुन मुंडा ने खेलो इंडिया ई पाठशाला का किया उद्घाटन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। खेल मंत्री किरण रिजिजू और आदिवासी कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा ने सोमवार को यहां वेबिनार के साथ खेलो इंडिया ई–पाठशाला का उद्घाटन किया जिसमें देश भर के युवा तीरंदाजों, तीरंदाजी के कोचों और इस खेल से जुड़े विशेषज्ञों ने भाग लिया। ई–पाठशाला के जरिए उन खिलाड़ियों को कोचिंग और शिक्षा मिल सकेगी जो दूरस्थ क्षेत्रों में रहते हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के साथ मिलकर हाल में यह कार्यक्रम शुरू किया था। रिजिजू ने कहा कि इस तरह का कार्यक्रम समय की जरूरत है। उन्होंने बयान में कहा, यह विशेष कार्यक्रम भारत के दूरस्थ क्षेत्रों के खिलाड़ियों से जुड़ेगा जिन्हें हमेशा प्रतिष्ठित खिलाड़ियों या कोचों से सलाह लेने का मौका नहीं मिल सकता।